



सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी बड़ी गिरावट

नई दिल्ली
घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,14,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,990

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये

प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़बीफ

दवा निर्यात पहली छमाही में 4.9 फीसदी बढ़कर 16.14 अरब डालर, यूरोप, आसियान और लातिन अमेरिका से मजबूत मांग ने दिया सहारा



नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में भारत का दवा निर्यात सालाना आधार पर 4.9 प्रतिशत बढ़कर 16.14 अरब डालर हो गया है। भारतीय दवा निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेविसल) के आंकड़ों के अनुसार, यूरोपीय, आसियान और लातिन अमेरिकी बाजारों से मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी है, जबकि अमेरिका को निर्यात की रफ्तार कुछ धीमी रही। फार्मेविसल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक यूरोप को निर्यात में 9.66 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो कुल दवा निर्यात का 20.38 प्रतिशत रहा। इसी अवधि में आसियान क्षेत्र में 21.54 प्रतिशत और लातिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में 16.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। अफ्रीका को दवा निर्यात में भी 6.48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान अवधि में दर्ज 15.38 अरब डालर के मुकाबले एक महत्वपूर्ण उछाल है। परिषद के अधिकारी ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाओं के बड़े पैमाने पर निर्माण के दम पर भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। डब वृद्धि के अगले चरण में मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित हो सके।

भारतीय कंपनियों की विदेशी उधारी बढ़ी, अगस्त में 8.13 डालर अरब के आवेदन



मुंबई। भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए दाखिल आवेदनों की कुल राशि अगस्त में मासिक आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 8.13 अरब डालर तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो वैश्विक पूंजी तक कंपनियों की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है। जुलाई में यह आंकड़ा 7.69 अरब डालर था। अगस्त में दाखिल आवेदनों में कई प्रमुख कंपनियों की बड़ी उधारी मांग शामिल थी। इनमें फिलपार्ट इंटरनेट ने तीन साल के लिए 1.14 अरब डालर का कर्ज आगे ऋण देने के लिए मांगा, जबकि पावर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) ने सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए चार साल नौ महीने की अवधि के लिए 77.5 करोड़ डालर का आवेदन दिया। इसी तरह, आरईसी और इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) ने भी क्रमशः सामान्य कारोबारी जरूरतों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए 50-50 करोड़ डालर की उधारी के इरादे दाखिल किए। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब आरबीआई ने विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने और देश की बाह्य स्थिति मजबूत करने के लिए जून में विशेष एफसीएनआर(सी) जैसी सुविधाएं शुरू की थीं।

त्योहारों से पहले चीनी और प्याज की कीमतों में भारी उछाल, खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत 60-65, जबकि चीनी 55-60 रुपए प्रति किलो



नई दिल्ली। दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों के नजदीक आने के बावजूद, आम जनता को चीनी और प्याज की बढ़ती कीमतों से कोई राहत नहीं मिल पा रही है। पिछले चार महीनों में इन दोनों आवश्यक खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। खुदरा बाजारों में प्याज की कीमत अभी 60-65 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में बनी हुई है, जबकि चीनी 55-60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है। विशेषज्ञों और जानकारों के अनुसार, रबी की फसल के कम भंडार और असमान मानसून के कारण खरीफ की नई फसल की आवक को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी आपूर्ति में गिरावट के चलते जून से सितंबर के बीच प्याज की कीमतें करीब 85 प्रतिशत तक उछल गईं, वहीं जुलाई और अगस्त में चीनी के दामों में भी 34 प्रतिशत की भारी तेजी दर्ज की गई। प्याज की फसलों को इस साल महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्य में सूखे और फिर कमजोर मानसून की वजह से नुकसान पहुंचा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली
ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। इसके साथ ही, डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती का माहौल बना रहा, जहां तीनों प्रमुख सूचकांक शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में भारी मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है, जहां अधिकांश प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं और सिर्फ एक बाजार में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिका में देर रात जारी हुए अलफाबेट के निराशाजनक तिमाही नतीजों के चलते टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जिसके दबाव में अमेरिकी के तीनों प्रमुख इक्विटी सूचकांकों में गिरावट आई। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 132.54 अंक यानी 0.25 प्रतिशत गिरकर 52,342.56 अंक के स्तर पर आ गया। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स में 23.59 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 7,720.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही नैस्डैक कंपोजिट भी 365.13 अंक यानी 1.37 प्रतिशत गिरकर 26,184.72 अंक के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, डाउ जान्स फ्यूचर्स सुबह फिलहाल 123.45 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,219.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान शानदार कारोबार होता रहा और सभी सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 335.66 अंक यानी 1.29 प्रतिशत उछल कर 26,039.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फ्रांस के सीएसी इंडेक्स ने 83.04 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,970 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके साथ ही, ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स में भी तेजी बनी रही। पूरे सत्र के कारोबार के बाद यह सूचकांक 27.57 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,722.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में गिरावट का माहौल बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजारों में से आठ के



सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजार में से सिर्फ हानाकाना के शेयर बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। यहां हेंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 357.35 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,316 अंक के स्तर पर आ गया है। भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह गिरावट का रुख नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 21.50 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की मंदी के साथ 23,021 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह जापान का निक्केई 225 इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 1,779.47 अंक यानी 2.75 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 62,880 अंक के स्तर पर बना हुआ है। सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ काम करता नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक सात अंक यानी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,376.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त

गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चौतरफा बिकवाली के दबाव में फिलहाल यह सूचकांक 292.35 अंक यानी 5.18 प्रतिशत टूट कर 5,645.31 अंक के स्तर पर आ गया है।

ताइवान स्टॉक एक्सचेंज में भी मायूसी का माहौल है, जिसके कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स लुढ़क गया है। लगातार हो रही बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक 1,106.55 अंक यानी 2.44 प्रतिशत गिर कर 45,261.78 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी लाल निशान में कारोबार कर रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 10.89 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,640.54 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

इसी तरह थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 20.38 अंक यानी 1.34 प्रतिशत फिसल कर 1,524.22 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा इंडोनेशिया स्टॉक एक्सचेंज में भी बिकवाल पूरी तरह हावी नजर आ रहे हैं, जिसके कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 102.90 अंक यानी 2.05 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 5,009.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

गोदरेज कंज्यूमर का मुनाफा बढ़कर 523 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 13.84 प्रतिशत बढ़कर 522.92 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 459.34 करोड़ रुपये था। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल परिचालन आय 19 प्रतिशत बढ़कर 4,413.09 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,708.19 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में उसकी एकीकृत बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ी। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली (एफएमसीजी) क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 20.6 प्रतिशत बढ़कर 3,758.26 करोड़ रुपये रहा।

नवंबर में पैसों से जुड़े अहम बदलाव, जानें आपकी जेब पर क्या होगा असर

पेंशनरों को जमा करना होगा जीवन प्रमाण पत्र, गैस सिलेंडर और एकडी दों पर भी रखें नजर

नई दिल्ली
नवंबर 2026 का महीना पैसों और फाइनेंशियल कामों से जुड़े कई बड़े अपडेट्स लेकर आ रहा है। चाहे आप सरकारी पेंशनर हों, व्यवसायी हों, या सिर्फ अपने घरेलू बजट को मैनेज करते हों, आपको कुछ महत्वपूर्ण बदलावों पर नजर रखनी होगी। जीवन प्रमाण पत्र जमा करने से लेकर इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने तक और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों से लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) का व्याज दरों तक, ये 5 बड़े अपडेट आपकी जेब पर सीधा असर डाल सकते हैं।
आइए जानते हैं नवंबर 2026 से जुड़े इन महत्वपूर्ण फाइनेंशियल बदलावों के बारे में—
■ 1. पेंशनरों को 30 नवंबर तक जमा करना होगा जीवन प्रमाण पत्र: केंद्र और राज्य सरकार के



पेंशनरों को अपनी पेंशन जारी रखने के लिए 30 नवंबर 2026 तक जीवन प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य है। 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर 1 अक्टूबर से ही यह प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। समय पर जमा न करने पर पेंशन रुक सकती है।

■ 2. आडिट वाले करदाताओं के लिए आईटीआर भरने की नई तारीख: वित्तीय वर्ष 2025-26 (असेसमेंट ईयर 2026-27) के लिए जिन करदाताओं के खातों का आडिट

कच्चे तेल में उछाल जारी, भारत में पेट्रोल-डीजल कीमतें स्थिर, क्रूड आयल का भाव 111 डालर के पार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 110 डालर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। क्रूड के दाम में 0.56 फीसदी की तेजी आई और यह 111.45 डालर प्रति बैरल हो गया। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर यह है कि इस वृद्धि के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। तेल विपणन कंपनियां प्रतिदिन सुबह छह बजे ईंधन के नए रेट जारी करती हैं, और कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के प्रमुख शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित हैं। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर है। उत्तर प्रदेश के नोएडा में भी पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये है। वहीं, भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है, जबकि पटना में पेट्रोल 113.37 रुपये और डीजल 99.36 रुपये है। देहरादून में पेट्रोल 100.55 रुपये और वंडीगढ़ में 101.51 रुपये प्रति लीटर है।

अनिवार्य है, उनके लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई है। यह बदलाव मुख्य रूप से व्यवसायों और पेशेवरों को प्रभावित करेगा।

■ 3. एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव: तेल कंपनियां हर महीने को पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। ऐसे में 1 नवंबर 2026 को घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है, जिसका सीधा असर घर के बजट पर पड़ेगा।